पंजाब केसरी
TUE,21 JULY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

हिमाचल शिक्षा बोर्ड ने अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा को दी 12वीं के समकक्ष मान्यता

▪विदेशी बोर्ड के छात्रों को मिली बड़ी राहत,कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश की अड़चनें खत्म

धर्मशाला, 20 जुलाई (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अमरीका के अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा को राज्य की 12वीं कक्षा के बराबर मान्यता दे दी है। इस फैसले से अमरीका या विदेश के मान्यता प्राप्त बोर्ड से पढ़ाई करके लौटे छात्रों के लिए अब हिमाचल के कालेजों और विश्वविद्यालयों में आगे की पढ़ाई के लिए दाखिला लेना बेहद आसान हो जाएगा।

शिक्षा बोर्ड के अनुसार, यह मान्यता मुख्य रूप से अमरीका की नॉर्थ-वैस्ट एक्रीडिटेशन कमीशन (एन.डब्ल्यू.ए.सी.) से संबद्ध स्कूलों द्वारा जारी 12वीं ग्रेड के डिप्लोमा पर लागू होगी। बोर्ड ने यह नीतिगत निर्णय भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बोर्ड से पढ़कर आए छात्रों को मुख्यधारा की उच्च शिक्षा प्रणाली से जोड़ना है।

बोर्ड प्रशासन ने अधिसूचना में एक मुख्य शर्त भी स्पष्ट कर दी है। इस अमेरिकन डिप्लोमा को हिमाचल बोर्ड की 12वीं के बराबर मानने का यह फैसला केवल कालेजों और विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने तक ही सीमित रहेगा। सरकारी या गैर-सरकारी नौकरियों और अन्य किसी प्रयोजन के लिए इसके नियम व शर्तें अलग हो सकती हैं। हिमाचल में शिक्षा के वैश्वीकरण की दिशा में इसे एक बेहद सराहनीय कदम माना जा रहा है।

बिना संस्थागत सत्यापन के नहीं मिलेगा लाभ

किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े को रोकने और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बोर्ड ने कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत किसी भी छात्र को कालेज या यूनिवर्सिटी में प्रवेश देने से पहले उसके प्रमाण-पत्र की प्रामाणिकता की जांच अनिवार्य होगी। संबंधित शैक्षणिक संस्थान को डिप्लोमा जारी करने वाली संस्था (एन.डब्ल्यू.ए.सी.) से इसका सही सत्यापन करवाना होगा, जिसके बाद ही छात्र को दाखिला मिल सकेगा।

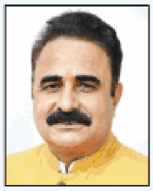

“ हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने विदेशी मान्यता प्राप्त संस्थानों से पढ़े छात्रों के हित में यह फैसला लिया है। एन.डब्ल्यू.ए.सी. से मान्यता प्राप्त अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा को अब प्रदेश में 12वीं के समकक्ष माना जाएगा। हालांकि, यह सुविधा केवल उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए ही मान्य होगी और संस्थानों को दाखिला देने से पहले डिप्लोमा का सत्यापन करवाना अनिवार्य रहेगा। इससे छात्रों को दाखिला लेने में आसानी होगी।

–डा. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Dainik Jagran 21-07-2026

विदेशी बोर्ड से पढ़ाई करने वालों के लिए खुले उच्च शिक्षा के दरवाजे

- अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा को राज्य की जमा दो की परीक्षा के समकक्ष मिलेगी मान्यता
- स्कूल शिक्षा बोर्ड ने लिया फैसला, प्रमाणपत्र का सत्यापन होगा अनिवार्य

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर आई है। अब, जिन्होंने विदेशी मान्यता प्राप्त संस्थानों से स्कूली शिक्षा पूरी की है, उन्हें प्रदेश के कालेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए तकनीकी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 'अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा' को राज्य की जमा दो की परीक्षा के समकक्ष मान्यता दे दी है। इससे विदेशी बोर्ड से पढ़ाई करने वाले बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के दरवाजे खुल गए हैं।

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि यह मान्यता विशेष रूप से अमेरिका की नार्थवेस्ट एक्रिडिटेशन कमीशन से मान्यता प्राप्त स्कूलों की ओर से जारी 'अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा ट्रांसक्रिप्ट (ग्रेड 12) या 12-ईयर हाई स्कूल डिप्लोमा' पर लागू होगी। यह निर्णय भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआइयू) के दिशानिर्देशों के अनुरूप लिया है। हालांकि, इस अधिसूचना में एक महत्वपूर्ण शर्त भी है। डा. राजेश शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह मान्यता केवल उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए है, रोजगार के लिए इसके नियम अलग हो सकते हैं। फर्जीवाड़े को रोकने के लिए बोर्ड ने निर्देश दिया है कि छात्रों के प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता की जांच अनिवार्य होगी। सत्यापन के बाद ही विद्यार्थियों को 12वीं के समकक्ष मानते हुए प्रवेश का लाभ मिल सकेगा।

इस अधिसूचना के बाद, एनडब्ल्यूएसी से शिक्षा पूरी करने वाले विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा में दाखिला लेना आसान और पारदर्शी होगा। यह कदम हिमाचल में शिक्षा के वैश्वीकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है।

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज़
20 जुलाई, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com
पहली नजर
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नजर के साथ

विदेशी डिग्री, स्वदेशी मान्यता हिमाचल में 'अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा' अब 12वीं के समकक्ष

HPBOSE का बड़ा फैसला उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए मिलेगी सहूलियत, प्रमाण-पत्र का सत्यापन होगा अनिवार्य

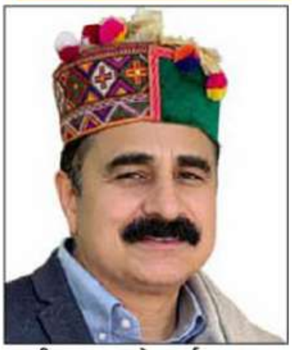

पहली नजर ब्यूरो, धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश के उन छात्रों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है, जिन्होंने विदेशी मान्यता प्राप्त संस्थानों से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। अब उन्हें प्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए तकनीकी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) के 'अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा' को राज्य की जमा दो (12वीं कक्षा) की परीक्षा के समकक्ष मान्यता दे दी है। इस कदम से विदेशी बोर्ड से पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए राज्य में उच्च शिक्षा के दरवाजे पूरी तरह से खुल गए हैं।

शिक्षा मंत्रालय और AIU के मानकों पर मुहर

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस महत्वपूर्ण अधिसूचना की जानकारी देते हुए बताया कि यह मान्यता विशेष रूप से अमेरिका की नॉर्थवेस्ट एक्रिडिटेशन कमीशन (NWAC) से मान्यता प्राप्त स्कूलों द्वारा जारी 'अमेरिकन हाई स्कूल डिप्लोमा ट्रांसक्रिप्ट (ग्रेड 12) या 12-ईयर हाई स्कूल डिप्लोमा' पर लागू होगी। बोर्ड ने यह नीतिगत निर्णय भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU), नई दिल्ली द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया है, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर के बोर्ड से पढ़कर आए छात्रों को मुख्यधारा की उच्च शिक्षा से जोड़ा जा सके।

केवल उच्च शिक्षा के लिए मिलेगी यह सहूलियत

अधिसूचना में एक महत्वपूर्ण शर्त भी स्पष्ट की गई है। डॉ. शर्मा ने साफ किया कि इस अमेरिकन डिप्लोमा को 12वीं के समकक्ष मानने का यह फैसला केवल उच्च शिक्षा में प्रवेश (Admission to Higher Studies) के उद्देश्य तक ही सीमित रहेगा। रोजगार या किसी अन्य प्रयोजन के लिए इसके नियम अलग हो सकते हैं।

बिना सत्यापन के नहीं मिलेगा लाभ

फर्जीवाड़े को रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बोर्ड ने सख्त हिदायत दी है कि किसी भी छात्र को प्रवेश देने से पहले उसके प्रमाण-पत्र की प्रामाणिकता और वैधता की जांच अनिवार्य होगी। संबंधित शैक्षणिक संस्थान या सक्षम प्राधिकारी को डिप्लोमा जारी करने वाली संस्था (NWAC) से इसका सत्यापन करवाना होगा। सही सत्यापन होने के बाद ही छात्र को 12वीं के समकक्ष मानते हुए प्रवेश का लाभ प्रदान किया जाएगा।

छात्रों के लिए सुगम होगी राह

शिक्षा बोर्ड समय-समय पर छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेता रहा है। बोर्ड अध्यक्ष ने विश्वास जताया है कि इस नई अधिसूचना के बाद NWAC से अपनी वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा पूरी करने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा संस्थानों में दाखिला लेने की प्रक्रिया कहीं अधिक स्पष्ट, आसान और पारदर्शी हो जाएगी। हिमाचल में शिक्षा के वैश्वीकरण की दिशा में यह एक बेहद सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

'American High School Diploma' Now Equivalent to Class 12 in Himachal: Dr. Rajesh Sharma

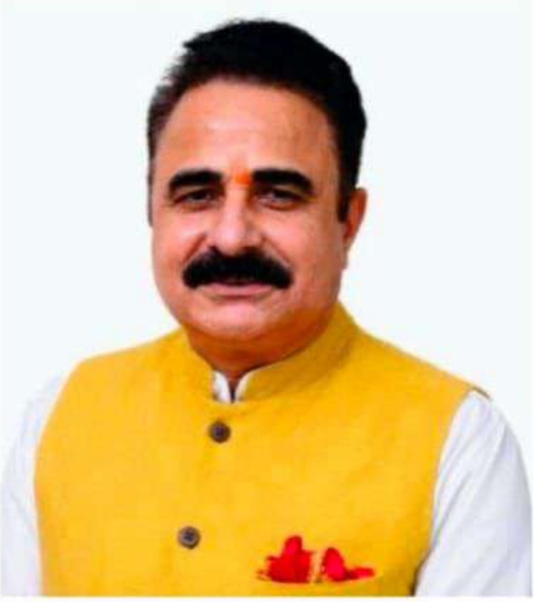

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA JUL 20 : There is significant and welcome news for students in Himachal Pradesh who have completed their schooling at foreign-accredited institutions. They will no longer face technical hurdles when seeking admission to colleges and universities within the state. In a landmark decision, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE), Dharamshala, has recognized the 'American High School Diploma' from the United States (USA) as equivalent to the state's Class 12 examination. This move fully opens the doors to higher education in the state for students who have studied under foreign boards. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma, while announcing this important notification, stated that this recognition applies specifically to the 'American High School Diploma Transcript (Grade 12) or 12-Year High School Diploma' issued by schools accredited by the Northwest Accreditation Commission (NWAC) of the USA. The Board adopted this policy decision in alignment with guidelines issued periodically by the Ministry of Education (Government of India) and the Association of Indian Universities (AIU), New Delhi, to integrate students from international boards into mainstream higher education. The notification also outlines a crucial condition: Dr. Sharma clarified that the decision to treat this American diploma as equivalent to Class 12 is limited solely to the purpose of admission into higher education; rules regarding employment or other purposes may differ. To prevent fraud and ensure transparency, the Board has issued strict instructions mandating the verification of the authenticity and validity of a student's certificates before granting admission. The Education Board consistently makes decisions with the best interests of students in mind. The Board Chairman expressed confidence that, following this new notification, the admission process for higher education institutions will become much clearer, easier, and more transparent for students who have completed their senior secondary education through NWAC. This is being considered a highly positive step towards the globalization of education in Himachal.

The Sunny Times

HPBOSE EQUATES AMERICAN DIPLOMA TO SENIOR SECONDARY CERTIFICATE

Sunny Mahajan | Dharamshala

In a major relief for students holding foreign school credentials, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has officially recognized the United States' 'American High School Diploma' as equivalent to the state's Class 12 senior secondary certificate. This breakthrough decision eliminates the stubborn bureaucratic hurdles that previously blocked international stream students from entering local colleges and universities.

HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma announced that the newly approved policy specifically applies to the 'American High School Diploma Transcript (Grade 12)' or the '12-Year High School Diploma' issued by institutions accredited by the Northwest Accreditation Commission (NWAC) in the USA. The landmark shift aligns directly with guidelines from the Union Ministry of Education and the Association of Indian Universities (AIU) to seamlessly integrate globally educated students into the mainstream Indian academic system.

However, the state board has attached a crucial rider to this structural upgrade. Dr. Sharma emphasized that this equivalence is strictly valid for securing admissions into higher education institutions. The credentials will not automatically apply to government employment or other corporate hiring regulations, which remain governed by separate verification frameworks.

To safeguard the admission process against potential fraud, the board has mandated an ironclad verification protocol. No college or university can finalize an admission under this quota without first verifying the authenticity of the student's transcripts directly with the issuing American body. Security remains paramount, and universities must clear the verification hurdle before any student can claim Class 12 status.

This strategic reform marks a significant leap toward globalizing higher education in Himachal Pradesh. By clearing out the red tape for NWAC graduates, the board is making the transition into university smoother, faster, and far more transparent for families looking to bring their foreign-educated children back into the local academic fold.